राधा राधा जपलै नी पार लग जाएंगी नाम वाले बेड़े बैठी भव तर जाएंगी

धुन : जाग नी फकीरिये जगान वाले आ गए, गुरदास मान

पद : गल मेरी तू सुणलै झल्लिए हुण ता एथे आ गइयों तू फेर पता नही औणा मुड़ मुड़ के एह मानस चोला हथ तेरे नही औणा छड झमेले सारे जग दे लाभ जे पूरा उठौणा मन दा मणका फेर "मधुप" जे प्रेम हरि दा पौणा

राधा राधा जपलै नी पार लग जाएंगी नाम वाले बेड़े बैठी भव तर जाएंगी

1. झूठी काया झूठी माया झूठा सकल पसारा
सेवा सिमरन भजन बंदगी नाल होउ निस्तारा
तन तूंबे दी तार तेरी एह हरि नाल जुड़ जाएगी,
राधा------

2. इक्को दर दी हो जावीं ना दर दर अलख जगावीं
थां थां मत्थे रगड़ रगड़ के दाग मत्थे ना लावीं
बैठ गुरां दे चरना दे विच मौजां तू मनाएंगी,
राधा-------

3. लख चौरासी वाले गेड़े जन्म जन्म दे फेरे
पाप पुन दी मिट जाऊ चिंता यम आऊ ना नेड़े
"मधुप" हरि दे घर पहुंची तू मुड़ मुड़ के ना आएंगी,
राधा---

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33775/title/radha-radha-japle-ni-paar-lag-jayegi-naam-wale-bede-baithi-bhav-tar-jayegi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |